

سُورَةُ الشَّمْسِ [91]

Surah 91 — Ash-Shams (The Sun) · Meccan · 15 Ayahs · Translation: Hindi

[1]

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ وَالشَّمْسِ وَضُحَاهَا

सूरज की क़सम और उसकी रौशनी की

[2]

وَالْقَمَرِ إِذَا تَلَّهَا

और चाँद की जब उसके पीछे निकले

[3]

وَالنَّهَارِ إِذَا جَلَّهَا

और दिन की जब उसे चमका दे

[4]

وَاللَّيْلِ إِذَا يَغْشَاهَا

और रात की जब उसे ढाँक ले

[5]

وَالسَّمَاءِ وَمَا بَنَاهَا

और आसमान की और जिसने उसे बनाया

[6]

وَالْأَرْضِ وَمَا طَحَاهَا

और ज़मीन की जिसने उसे बिछाया

[7]

وَنَفْسٍ [92] وَمَا سَوَّاهَا

और जान की और जिसने उसे दुरुस्त किया

8

فَأَلْهَمَهَا فُجُورَهَا وَتَقْوَاهَا

फिर उसकी बदकारी और परहेज़गारी को उसे समझा दिया

9

قَدْ أَفْلَحَ مَنْ زَكَّاهَا

(क़सम है) जिसने उस (जान) को (गनाह से) पाक रखा वह तो कामयाब हुआ

10

وَقَدْ خَابَ مَنْ دَسَّاهَا

और जिसने उसे (गुनाह करके) दबा दिया वह नामुराद रहा

11

كَذَّبَتْ ثَمُودُ بِطَغْوَاهَا

क्रौम मसूद ने अपनी सरकशी से (सालेह पैग़म्बर को) झुठलाया,

12

إِذِ انْزَلَتْ بِعَثَ أَشْقَاهَا

जब उनमें का एक बड़ा बदबख्त उठ खड़ा हुआ

13

فَقَالَ لَهُمْ رَسُولُ اللَّهِ نَاقَةَ اللَّهِ وَسُقْيَاهَا

तो खुदा के रसूल (सालेह) ने उनसे कहा कि खुदा की ऊँटनी और उसके पानी पीने से तअरूज़ न करना

14

فَكَذَّبُوهُ فَعَقَرُوهَا فَدَمْدَمَ عَلَيْهِمْ رَبُّهُمْ بِذُنُوبِهِمْ فَسَوَّاهَا

मगर उन लोगों पैग़म्बर को झुठलाया और उसकी कूँचे काट डाली तो खुदा ने उनके गुनाहों सबब से उन पर अज़ाब नाज़िल किया फिर (हलाक करके) बराबर कर दिया

15

وَلَا يَخَافُ عُقْبَاهَا

और उसको उनके बदले का कोई खौफ तो है नहीं

